AIDS InfoNet www.aidsinfonet.org

नशीली दवाओं का सेवन एवं एच. आई.वी.
(Drug Use and HIV)

Fact Sheet Number 154
फैक्टशीट संख्या 154

नशीली दवाओं का सेवन एच.आई.वी. से कैसे सम्बन्धित हैं?

एच.आई.वी. के प्रसार में नशीली दवाओं का सेवन एक बडा कारण हैं। इंजेक्शन से ली जाने वाली नशीली दवाओं के सेवन के लिए आपस में साझे में जिन उपकरणों का उपयोग होता हैं उनसे एच.आई.वी. एवं हेपेटाईटीस के विषाणु के परागमन की संभावना होती है तथा नशीली दवाओं का सेवन असुरक्षित यौन संबंध को भी बढावा देता है।

ऐसे व्यक्ति जो एंटी रेट्रोवायरल (ए.आर.वी.) दवाईयाँ ले रहें हैं उनके लिए नशीली दवाओं एवं शराब का सेवन भी खतरनाक सिद्ध होता है। नशीली दवाओं के सेवन करने वाले (रसायन पर आधारित व्यक्ति) व्यक्तियों में पूरी दवांओं के लेने की संभावना भी कम होती है तथा दवाओं का ए.आर.वी. के ऊपर खराब प्रभाव भी हो सकता है। फैक्टशीट 494 में प्रत्येक दवाओं एवं एच.आई.वी. के ऊपर अधिक जानकारी दी गई है।

इंजेक्शन एवं संक्रमण

नशीली दवाओं के सेवन के लिए जब लोग आपस में उपकरणों की साझेदारी करते हैं तब एच.आई.वी. संक्रमण बडी आसानी से फैलता है। उपकरणों की आपस में साझा उपयोग से हेपेटीईटीस बी, हेपेटीईटीस सी, एवं अन्य खून से उत्पन्न होने वाली बीमारियां भी फैलती हैं।

सीरिंज/सूई में संक्रमित खून/सिरम लिया जा सकता है, तथा इस सीरिंज/सूई का उपयोग जब कोई दूसरा व्यक्ति करता है तब उसके शरीर में नशीली दवाओं के साथ संक्रमित खून/सीरम भी चला जाता है। यह एच. आई.वी. विषाणु के परागमन का सबसे आसान रास्ता हैं क्योंकि संक्रमित खून सीधा दुसरे व्यक्ति के रक्त प्रवाह में जाता हैं (प्रसारण क्षमता 95 प्रतिशत से अधिक होती हैं)। आपके हाथ, कुकर, छलनी, रूधिर बंद करने का जर्राही यंत्र या फ़िर किसी अन्य नशीली दवाओं की शीशी जिसे मिश्रण के लिए उपयोग किया गया हो (कभी–कभी उपयोगकर्ता कई नशीली दवाओं को एक शीशी में मिश्रित करते हैं) या घुले हुये पानी में मौजूद खून का जरा सा कतरा भी किसी दुसरे नशेडी को एच.आई.वी. से संक्रमित करने के लिए काफी हैं।

एच.आई.वी. तथा हेपेटाईटीस के जाख़िम को कम करने के लिए आप कभी भी नशीली दवाओं के सेवन में आने वाले इंजेक्शन तथा अन्य उपकरणों की साझेदारी नहीं करें एवं अपने हाथों को बराबर साफ रखें। अपने कुकर तथा इंजेक्शन लेने वाली जगह को सावधानीपूर्वक साफ कर लें। नशीली दवाओं के सेवन से होने वाले नुकसान के ऊपर अधिक जानकारी के लिए फैक्टशीट 155 देंखे।

एक ताजा अध्ययन से पता चला है कि एच.आई.वी. के विषाणु किसी उपयोग में लिये गये सिरींज में 4 सप्ताह तक जीवित रह सकते हैं। यदि आपको उपकरण को दुबारा उपयोग में लेना हो तो आप प्रत्येक बार उपयोग में लेने से पहले इसे साफ करें। इस तरह आप संक्रमण के जोख़िम को कम कर सकते है। यदि संभव हो तो, स्वयं के सीरिंज का ही वापस उपयोग करें। इसे फिर भी साफ करें क्योंकि इसमें जीवाणु पनप सकते हैं।

सीरिंत को साफ करने का सबसे प्रभावी तरीका है की इसे सबसे पहले पानी से साफ करे, फिर इसे ब्लीच (बिरंजक) से धोये, उसके बाद अंत में फिर से पानी से धो लें। सीरिंज को अच्छे से 30 सैकण्ड तक हिलाते हुए खून को पूरी तरह से निकाल लें। हमेशा ठण्डे पानी का उपयोग करें क्योंकि गर्म पानी से रक्त के थक्के बन सकते है। एच.आई.वी. एवं हेपेटाईटीस सी के विषाणुओं को मारने के लिये ब्लीच को दो मिनटों तक सीरिंज में

छोड दें। सफाई करने से भी एच.आई.वी. और हेपेटाईटीस के विषाणु प्रत्येक बार नही मरते। अगर संभव हो तब हमेशा एक नये सीरिंज का ही उपयोग करें।

सुई विनिमय कार्यक्रम

भारत के कुछ राज्यों में सेवा संगठनों नें सुईयों के विनिमय का कार्यक्रम (नीडल/सीरिंज एक्सचेंज कार्यक्रम/ NSEP) चलाया हुआ है जहाँ सुईयों की साझेदारी को रोकने के लिये उपयोग में लिये गये सीरिंज/नीडल/सुई (एस–एन) के बदले एक या दो नई सीरिंज–नीडल उपयोगक्रता को मुफ्त में दी जाती है। इस नुकसान को कम करने वाले हस्तक्षेप कार्यक्रम के अर्न्तगत, सामाजिक कार्यकर्ता शूटिंग गैलरी या ऐसी नशीली दवाओं के प्रयोगस्थल का बराबर दौरा करते हैं और वहाँ वो इंजेक्शन से नशा करने वाले लोगों से पुरानी उपयोग में ली हुई सीरिंज–नीडल को इकट्ठा करते हैं तथा नई सीरिंज–नीडल सबको बांटते है। इस तरह के कार्यक्रम विवादित हैं क्योंकि कुछ लोगों का सोचना है कि ये नशीली दवाओं के सेवन को बढावा देते हैं। हांलाकि सुइयों के विनिमय पर शोध से पता चलता हैं की ये सत्य नही हैं। विश्वभर में अन्य अध्ययनों ने भी ये पुष्टि होती है कि ऐसे शहर जहाँ NSEP चल रहा हैं वहाँ औसतन आई. डी.यू में एच.आइ.वी. के प्रचार में कमी आई है, परन्तु इसकी तुलना में अन्य शहरों में जहॉ NSEP नही चल रहा हैं वहाँ एच.आइ.वी. के प्रचार में लगातार वृद्धि हुई हैं। यह भी पता चला हैं कि ज्यादातर नशीली दवाओं के प्रयोगकर्ता इलाज के लिए आगे आयें हैं।

नशीली दवाओं का सेवन एवं असुरक्षित यौन

बहुत से लोग नशीली दवाओं का उपयोग एवं यौन साथ–साथ करते हैं। नशा करने वाले लोग पैसे या फिर नशीली दवाएं खरीदने के लिये यौन व्यापार में करते हैं। कुछ लोग असुरक्षित यौन को नशीली दवाओं के सेवन से जोड़ते हैं।

नशीली दवाओं जैसे मेथफेटामाइन अथवा शराब के सेवन से संभावना बढ़ जाती है की लोग यौन क्रिया के दौरान स्वंय को सुरक्षित नहीं करेंगे। कोई व्यक्ति यदि नशे के लिये यौन व्यापार कर रहा है तो वह जो भी कर रहा है उस पर कोई पाबंदी लगाना कठिन समझेगा। नशे का उपयोग किसी व्यक्ति द्वारा कंडोम का उपयोग एवं सुरक्षित यौन संबंध के प्रति उसकी प्रतिवद्धता को कम कर सकता है।

अक्सर नशीले पदार्थों के उपयोगकर्ता के कई यौन साथी होते हैं। इससे एच.आई.वी. या कोई अन्य यौन संचारित रोगों से संक्रमित होने की संभावना बढ़ जाती है। इसके अलावा नशीले पदार्थों के उपयोगकर्ता में यौन संचारित रोगों के वहन की अधिक सभावना एवं जोखिम रहता है। इससे खुद को एच.आई.वी. से संक्रमित होने का अथवा एच.आई.वी. संक्रमण के प्रसार का जोखिम भी बढ़ जाता है।

कुछ लोगों में ये अवधारणा होती है कि यौन संबंध के दौरान नशा करने से वीर्य देर से स्खलित होता है। इस तरह की भ्रांतीयाँ यौन सम्बंध स्थातिप करते समय नशीली दवाओं के सेवन को बढावा देती हैं विशेषतः जो यौन मूल्य देकर किया जा रहा हो।

चिकित्सा एवं नशीली दवाईयाँ

ए.आर.वी. की प्रत्येक खुराक लेना बहुत महत्वपूर्ण है। ऐसे लोग जो दवाई बराबर नहीं लेते है (खुराक बीच में छोड़ देते हैं) उनके खून में एच.आई.वी. के उच्च स्तर की संभावना होती है और उनमें एच.आई.वी. दवाओं से प्रतीरोध भी विकसित हो जाता है। नशे का सेवन दवाईयों की अनियमितता से संबंधित है जिससे कि एच. आई. वी. का उपचार विफल हो जाता है।

कुछ सड़क छाप दवाओं का असर एच.आई.वी. की दवाओं पर भी होता है। यकृत (लीवर) एच.आई.वी. से लड़ने वाली दवाओं, खासकर प्रोटियस इनहिबिटरस एवं नॉन–न्यूकलोसाइड रीवर्स ट्रांसक्रिप्टंज इनहिबिटरस को विखंडित कर देता है। यह शराब सहित कुछ मनोरंक दवाओं (नशीली दवाओं) को भी विखंडित कर देता है। जब नशीली दवाएं एवं एच.आई.वी. की दवाईयाँ एक यकृत पर असर कर रही हों तो उन दोनों की कार्य प्रक्रिया धीमी पड़ जाती है। इसकी वजह से हो सकता है की खुराक या आराम देने वाली दवाओं का सेवन अधिक मात्रा में किया जाये।

दवाओं की अधिक खुराक लेने से कुछ गंभीर एवं प्रतीकूल असर हो सकते हैं। आराम देने वाली दवाओं की अधिक खुराक लेने से मौत हो सकती है। इसका एक परिणाम सामने आया है जिसमें एक एच.आई.वी. संक्रमित व्यक्ति की मौत प्रोटियस इन्हीबीटरस दवा को आराम देने वाली

एक्सटसी नामक नशीली दवा के साथ मिश्रित कर के लेने से हुइ थी।

अंतिम पंक्ति

नशीली दवाओं का सेवन नये एच.आई.वी. संक्रमणों का प्रमुख कारण है। नशीली दवाओं में उपयोग होने वाले उपकरणों की साझेदारी से एच.आई.वी. हेपेटाईटीस एवं अन्य बीमारीयों का प्रसार हो सकता है। शराब व नशे का सेवन यहाँ तक कि मनोरंजन के दौरान करने से असुरक्षित यौन गतिविधियों को बढ़ावा देता है।

अपने आप को संक्रमण से बचाने के लिये कभी भी नशे के उपकरण का उपयोग दुबारा नही करना चाहिये। यदि आप अपने उपकरण को बार–बार उपयोग में ले रहे हैं तो उसे समय–समय पर अच्छी तरह से साफ करें। सफाई सिर्फ आंशिक रूप से प्रभावी होती है।

कुछ राज्यों में नीडल एक्सचेंज प्रोग्राम में मुफ्त में नई सीरिंज प्रदान की जाती है। इस तरह के कार्यक्रम एच. आई.वी. संक्रमण की दर को कम करते हैं।

नशीली दवाओं के सेवन से ए.आर.वी की दवाओं की खुराक छूट जाती सकती है। इससे इलाज विफल होने तथा एच.आई.वी. की दवाईयों से प्रतीरोध विकसित होने की संभावना बढ़ जाती है।

नशीली वस्तुओं एवं ए.आर.वी का मिश्रण करना खतरनाक हो सकता है। इन दवाओं के आपसी मिश्रण से खतरनाक दुष्प्रभाव अथवा खुराक की अधिकता खतरनाक हो सकती है।

संशोधित 14, मई 2002